Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
VSJ College Rajnagar

BA Part II (H)
Paper III

आधुनिकीकरण (Modernisation) → आधुनिकीकरण राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक परिवर्तन तथा आर्थिक विकास की एक ऐसी मिली-जुली पारस्परिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा ऐतिहासिक तथा समकालीन अविकसित समाज अपने आपको विकसित करने में संलग्न रहते हैं। जहां कहीं, जब कभी आधुनिक संदर्भ में इसकी उत्पत्ति हुई, इसकी मूल आत्मा तार्किकता, वैज्ञानिक भावना तथा परिष्कृत तकनीक से जुड़ी रही है। परिवर्तन की एक विशिष्ट प्रक्रिया के रूप में, आधुनिकीकरण एक विशिष्ट वांछित प्रकार की तकनीक तथा उससे संबंधित सामाजिक संरचना, मूल्य व्यवस्था, प्रेरणाओं तथा आदर्श नियमाचारों का एक पुंज है जो पारम्परिकता से भिन्न होता है।

आधुनिकीकरण औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप उत्पन्न हुई। इस क्रांति से नवीन तकनीक तथा वैज्ञानिक एवं तर्कपूर्ण विचारों की उत्पत्ति हुई। यह आधुनिक क्रांति ने समाज के सभी क्षेत्रों को प्रभावित किया चाहे वह कृषि हो उद्योग या राजनीतिक यहां तक संस्कृति, कला एवं परम्परा भी। इस वैज्ञानिक सोच के कारण समाज के मूल्य, आदर्श तथा रीति-रिवाज भी परिवर्तित होने लगा। मुख्य रूप से

कृषि समाज औद्योगिक अर्थव्यवस्था वाले समाज में परिवर्तित होने लगा। आधुनिकीकरण ने समूहवाद के स्थान पर व्यक्तिवाद को जन्म दिया। विभिन्न क्षेत्रों में आधुनिकीकरण को विभिन्न अर्थों में देखा जाने लगा। जो इस प्रकार है —

(1) राजनीतिक दलों, संसद, वयस्क मताधिकार की मांग करना

(2) सांस्कृतिक आधुनिकीकरण से तात्पर्य लौकिकीकरण (सेक्युलराइजेशन) की प्रक्रिया को उत्पन्न करने तथा राष्ट्रीय विचारधारा को बढ़ावा देने से है।

(3) आर्थिक आधुनिकीकरण श्रम-विभाजन, प्रबंधन की तकनीकों के प्रयोग उन्नत प्रौद्योगिकी और व्यापारिक सुविधाओं के विस्तार जैसे क्षेत्रों में आर्थिक परिवर्तनों से संबंधित है।

(4) सामाजिक आधुनिकीकरण उत्तरोत्तर साक्षरता में विकास, बढ़ता हुआ नगरीकरण तथा पारम्परिक सत्ता में ह्रास का संकेत देता है।

पाई के अनुसार, " आधुनिकीकरण व्यक्ति व समाज के अनुसंधानात्मक व आविष्कारशील दृष्टिकोण का विकास है जो विज्ञान एवं उपकरणों के प्रयोग में निहित है।

डॉ० योगेन्द्र सिंह के अनुसार, " आधुनिकीकरण संस्कृति प्रत्यय का रूप है जिसमें प्रत्येक क्षेत्र चाहे वह वैज्ञानिक हो, सामाजिक या आर्थिक सभी का आशय केवल उद्विकास से है।"

एम. एन. श्रीनिवास के अनुसार " किसी भी पश्चिमी देश की तरह आधुनिकीकरण के आदर्श, चाहे वह प्रत्यक्ष हो अथवा अप्रत्यक्ष के कारण होने वाले परिवर्तन ही आधुनिकीकरण है;"

विल्वर्ट ई मूर के अनुसार," आधुनिकीकरण परम्परागत और आधुनिक समाजों से पूर्व के समाजों का ऐसी प्रौद्योगिकी और संबद्ध सामाजिक संगठनों मे पूरी तरह परिवर्तित हो जाना है जिनमें उन्नत, आर्थिक रूप में सुदृढ़ और तुलना की दृष्टि से पश्चिमी दुनिया में स्थित देशों की विशेषताएं है।"

आधुनिकीकरण की विशेषताएं ⇒

① तार्किक बुद्धिवाद ⇒ आधुनिकीकरण के प्रभाव मे व्यक्ति अपने विचारों को तार्किक रूप से अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए करता है। जिससे व्यक्ति सामाजिक प्रगति में बेहतर तरीके से सहयोग करता है और अपने जीवन स्तर में सुधार लाता है।

② व्यक्तिवाद की प्रधानता ⇒ आधुनिकीकरण व्यक्तिवाद को बढ़ाता है। व्यक्ति समूह के विकास की बात बाद मे सोचता है पहले वैज्ञानिक ज्ञान के आधार पर स्वयं का विकास पहले करना चाहता है।

③ धर्मनिरपेक्षता ⇒ आधुनिकीकरण के तहत लोग विभिन्न प्रकार के अंधविश्वासों, संस्कारों एवं कर्मकाण्डों से दूर होकर वैज्ञानिकता की ओर बढ़ते हैं जिससे धार्मिक मूल्यों में अत्यधिक परिवर्तन होता है, इस समाज में धर्म के स्थान पर तर्क की प्रधानता होती है।

④ राष्ट्रहित की प्रधानता ⇒ आधुनिकीकरण से प्रभावित समाज में व्यक्तियों के लिए अपने हित से बड़ा राष्ट्रहित हो जाता है क्योंकि आधुनिक समाज में व्यक्तियों की सोच का दायरा काफी विस्तृत हो जाता है।

⑤ आधुनिक अर्थव्यवस्था ⇒ आधुनिकीकरण के फलस्वरूप अर्थव्यवस्था में अत्यधिक परिवर्तन होता है। नवीन तकनीक एवं विचारों से अर्थव्यवस्था में आधुनिक परिवर्तन होता है फलस्वरूप अर्थव्यवस्था आधुनिकता की ओर अग्रसर होती जाती है।

⑥ जनसंचार साधनों की भूमिका ⇒ आधुनिकीकरण के फलस्वरूप परम्परागत जनसंचार की जगह नवीन जनसंचार ने ले लिया जैसे रेलगाड़ी, हवाईजहाज, सड़क, डाक तार। इन जनसंचारों के फलस्वरूप समाज में नवीन परिवर्तन होने लगा है,

⑦ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी युक्त समाज ⇒ आधुनिकीकरण के फलस्वरूप परम्परागत समाज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी युक्त समाज में परिवर्तित होने लगा।